L.N. MITHILA UNIVERSITY
DARBHANGA (BIHAR)
B.A PART- 01
B.A PAPER- 01
Social Psychology,
Psychology (Honours)
TOPIC - Explosion in India.

Dr. Pramod Kumar Sahu,
Assistant Professor,
Guest Teacher,
V.S.J. College, Rajnagar,
MADHUBANI (BIHAR)
pramodkumarsah2018@gmail.com.

भारत में अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि के लिए उत्तरदायी कारण निम्नलिखित है।

(i) गर्म जलवायु के कारण यहाँ लड़कियों में शीघ्र ही परिपक्वता आ जाती है। और वे कम उम्र में ही संतान पैदा करने के योग्य हो जाती है। प्रजनन की इस प्रक्रिया के कारण अधिक संतानें जन्म लेती है।

(ii) बाल-विवाह प्रथा के कारण छोटे-छोटे बच्चों का विवाह कर दिया जाता है। इस कारण से कम अधिक संख्या में संतानें जन्म लेती है।

(iii) संयुक्त परिवार प्रथा के प्रचलन के कारण परिवार के वयोवृद्ध व्यक्ति अपने बेटे और पोतों का विवाह अपने सामने ही सम्पन्न होते देखना चाहते है। ऐसे परिवारों में बच्चों के लालन-पालन में कोई कठिनाई नहीं होती है। साथ ही बड़ा कुटुम्ब समाज में सत्ता, शक्ति एवं प्रतिष्ठा का सूचक माना जाता रहा है। अतः इस कारण भी जनसंख्या वृद्धि हो रही है।

(iv) शिक्षा के अभाव के कारण लोग जनसंख्या-वृद्धि के परिणामों को नहीं समझते और अवांछित संतानों को जन्म देते है।

(v) निम्न जीवन स्तर के कारण लोग यह सोचते है कि अधिक संतान होगी तो वे उनको उत्पादक कार्य में लगाकर अधिक धन अर्जित करेंगे और जीवन स्तर को उन्नत कर सकेंगे। निम्न जीवन स्तर के कारण उनको संतान की शिक्षा-दीक्षा, लालन-पालन और ऐशो-आराम के लिए अधिक खर्च नहीं करना पड़ता है। अतः [illegible] परिवार में संतान की संख्या बढ़ती जा रही है। [illegible]

स्थिति के कोई असर नहीं होता।

(vi) परिवार नियोजन के साधनों के प्रति पूर्ण जानकारी का अभाव भी जनसंख्या-वृद्धि के लिए उत्तरदायी है।

(vii) विवाह भारत में एक धार्मिक संस्कार है और मनुष्य का आवश्यक कर्तव्य भी। अतः जब विवाह होगा, तो उसका आवश्यक परिणाम सन्तानोत्पत्ति होगा। परन्तु विदेशों में विवाह करना [illegible] व्यक्ति की इच्छा पर निर्भर है।

(viii) पुत्र को अधिक महत्व देने के कारण तब तक सन्तानोत्पत्ति होती रहती है जब तक कि पुत्र न हो जाए। धर्मशास्त्रों में मोक्ष प्राप्ति के लिए पुत्र की उत्पत्ति को आवश्यक माना गया है। स्वास्थ्य की जानकारी में वृद्धि हो रही है।

(ix) चिकित्सा सुविधाओं के कारण भारत में मृत्यु-दर घटी है और जन्म दर बढ़ी है।

(x) मनोरंजन, अश्लील साहित्य, [illegible], एवं चुस्त पोशाक आदि ने यौन उत्तेजना को बढ़ावा दी है।

(xi) भाग्यवादी होने के कारण भारतीय यह समझते हैं कि सन्तान ईश्वर की देन है और जिसने जन्म दिया है वह रक्षक भी है जो देगा साथ ही वे जन्म पर नियंत्रण को पाप मानते हैं। इस्लाम धर्म में भी जन्म दे अच्छा माना गया है। बाइबिल में भी अधिक जन्म को स्वीकार करते कहा गया है कि वृद्धि करो और पृथ्वी को लोगों से भर दो।

उपर्युक्त सभी कारणों ने भारत में तीव्र जनसंख्या वृद्धि एवं जन-विस्फोट को प्रोत्साहित किया है।

अति-जनसंख्या के निराकरण के उपाय -

भारत में जनसंख्या-वृद्धि ने अनेक सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक समस्याएं पैदा की है। अतः शीघ्रातिशीघ्र इन समस्याओं को हल करना आवश्यक है। अन्यथा हमारे आर्थिक विकास की गति धीमी रहेगी, और हमें जन-विस्फोट के परिणाम भुगतने होंगे, ऐसा अनेक लोग कहते हैं। भारत में सावधानीपूर्वक जनसंख्या नियोजन की शीघ्र आवश्यकता

है। जनसंख्या जनवृद्धि - दर की समस्या आर्थिक वृद्धि को बेमानी कर देगी, अतः यदि जनवृद्धि - दर पर रोक नहीं लगाई तो भारत जनसंख्या की विकट समस्या बनी रहेगी। इसके लिए निम्नलिखित सुझाव दिए गए हैं।

(i) विवाह की आयु में वृद्धि – जनवृद्धि - दर पर रोक लगाने के लिए बाल - विवाह पर कठोर नियंत्रण लगाना चाहिए - तथा कानूनी रूप से विवाह की आयु बढ़ाकर लड़कियों की 18 वर्ष एवं लड़कों की 21 वर्ष कर दी जाए, इससे जन्म लेने वाले बच्चों की संख्या कम होगी।

(ii) शिक्षा प्रसार – महिलाओं और पुरुषों का अशिक्षित होना अधिक जनसंख्या के लिए उत्तरदायी है। लोगों के निरक्षर परिवार के लाभ को समझाने हेतु और शिक्षण संस्थाओं में भी शिक्षा प्रसार की जाए। शिक्षा के प्रसार से परिवार का आकार कम होगा, क्योंकि शिक्षित दम्पति छोटे परिवारों के लाभों को समझ कर परिवार नियोजन के साधनों को अपनाने के लिए प्रेरित होंगे।

(iii) गर्भपात : इसके लिए गर्भपात के नियमों को और अधिक उदार बनाया जाए, वर्तमान में गर्भपात की छूट तीन परिस्थितियों में दी जाती है।

(क) जब गर्भधारण करना माँ के जीवन और स्वास्थ्य के लिए खतरा उत्पन्न करे।

(ख) जब अपंग संतान पैदा होने की सम्भावना हो।

(ग) अमानवीय परिस्थितियों में अर्थात जब किसी स्त्री के साथ बलात् अवैध संबंध स्थापित किया गया हो।

मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी एक्ट (Medical Termination of Pregnancy Act) के द्वारा नर्सों को यह अधिकार दिया गया है कि वे पंजीकृत डॉक्टरों से गर्भपात करने की आज्ञा प्रदान कर सकते हैं।

(iv) संयम – की नीति - आत्म - संयम में विश्वास

सकते हैं वे जनसंख्या नियंत्रण के लिए ब्रह्मचर्य की पालन करने एवं आत्म-संयम रखने की सलाह देते हैं। किन्तु यह विधि काफी कठिन है तथा सभी व्यक्तियों से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती है।

(V) मनोरंजन - मनोरंजन के साधनों में वृद्धि करके उन्हें सस्ते दर पर लोगों को उपलब्ध कराया जाए ऐसा होने पर यौन-सम्बन्धी आनन्द ही मनोरंजन का एकमात्र साधन नहीं रह जायेगा, जिसके परिणामस्वरूप कुछ मात्रा में जनसंख्या-को नियंत्रित हो सकेगी।

(VI) परिवार नियोजन - जनसंख्या नियंत्रण के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विधि परिवार नियोजन है साधनों का प्रयोग नियमित परिवार के लिए कम सन्तान और दो निश्चित अवधि के पश्चात सन्तान होना अच्छा माना गया है।
परिवार में बढ़ती हुई जनसंख्या देश के एक परिवार के लिए समस्याएँ उत्पन्न नहीं करती बल्कि, समाज और राष्ट्र के लिए भी समस्याएँ हो जाती है। जनसंख्या में कठिनाई उत्पन्न होती है जो निम्नलिखित है।

(I) गरीबी
(II) रहन-सहन के स्तर में गिरावट,
(III) अस्वस्थ नागरिकों के प्रतिशत में वृद्धि
(IV) मातृ-शिशु की मृत्यु दर में वृद्धि
(V) रोजगार में कमी
(VI) भूमि पर अधिक भार
(VII) स्वास्थ्यकर मकान की कमी
(VIII) औद्योगिक विकास में बाधा
(IX) मुद्रा स्फीति बढ़ती है।

Dr. Pramod Kumar Sahu.
Date - 18/04/2020.
Sub - Psychology.